श्रीराम॥ साचवात नाम गको भाखूं अब ०
वातपुर छह रमल टाकू निदैयान्हु गल
दौलत लिये॥ सत की रीत जग में अब॥
गई॥ जेहल सान हन न माल के जे भिर
गके दिन होय जेह वात है सं ना दन
आगे हर भावे सो होय दोहरा॥ सात वा
र संपूरण भये संत जन राजा को लद
ए का है

२

सुता ॥ विरछनसैफुलथोड़ाहोवे ॥
समेछुरतीपुरवीजनावोमे ॥ राऊरंके
सभहीदुखपावे रैनसमे तसकरहुवामे
राजाकोकरजानेहारा ॥ घर घरदुनी
कोहोयतामारा ॥ मीतर मीतरसेवने
छजोकरेदुछ वातपुरलड़ लड़मरे ॥
घरघरमेहोवेगाविकार ॥ दुवताका
नहीजगतमेसुमार ॥ विरषावोहतज
गतमेभई ॥ भलेबुरेकीपतऊठगई ॥

श्री ॥ राजा परजा सुष वसावे भीतर भी
तर को लै गल लावे ॥ जै जै होत जगत के
माह ॥ जग मे दुषी या को ऊ नाह ॥ वर
षा वौहत जग तमै होवे ॥ आय पेट भर
सभ कोई सोवे ॥ क्या नगर क्या जंगल ॥
माह कोई किसे को छेड़े नाह ॥ सगता दु
रबल को नही मारे ॥ सुष सोवे नही नैन
उगाड़े ॥ बोले फाग पुरष आर नारी ॥ घर
घर फूल रही फुल वारी ॥ कोई किसे की

ई ननामाने ॥ सभकु छ ससतेभायविका
नै ॥ लाभजगतमैवोहिता होवे ॥ हरजन
परमभगतजगहोवे ॥ हाजपिह्नकर घर
आयेसोदाअ छ मूलविकाये दोहरा
सुषविगासमौ वीतहै अंनद जैसोमा
ल ॥ जेहलं द्वानहन सालकेजेहोगुरकेवा
र ◉ चोपई ॥ वैस ाठीहोवैभरगकेबा
रडोवेवालकाकेसिरभार ॥ दुखपावेता
कीमातपिता ॥ नीतधरमसौविगड़ी

सुमार ॥ कुछ जाम तकु कछ क तल मे मरे
कौहत मंन मारँ ॥ छतर गिरे तिस माल
मे जाता पैसी काल ॥ पर जाम रे लोवेव
रान ॥ तसकर मै पड़े रात को नास वे ॥
हटा ॥ तसकर सै हाकु मर लेजेह कलजु
ग के माय ॥ जो कुछ लिख आ कताव मे मो
मै कहकु वीचार जेहल दान हन माल
को जे होवे बुध के वार ॥ चौपई ॥ गुर वार
जे होय वैसाखी सुनो संनत मो रू परसा

जगमेवौलसुचालजोकामे॥ वेडीवैलदिन २०
आऊडुवामे॥ अगनमे [illegible] वोहजगमेहोवे
मरगवोहतहोवेतिससाल॥ पुरवनरमे
पड़ेवरोध॥ कोऊकिसेकोआखेनहीसो
ध हिंदविचढ़िकआपततपड़ेआनदोख॥
परआवोहमरे दोहरा मंगदाफरेडुमस
कोजोहोवेसुलतान॥ परजामेऊमसा
लमेहोवेमंगलवार ⊙ चौपई बुधवार
जववैसाखीआवे॥ तालआहजैलपुर
धावे॥ आपततवोऊतजगतमेकेह [illegible]

नृभवार वारजहोत वसाषी सुनोसंत मोहर साषी" सिरसतारे मरीक के ताले हनसुलतान" मेघना वरसे समेपुर मैहगे पंनकोजान चौपई मेघ घोड़ा पिरथी भवावे" अतरामरगचुपाप होवे" वरोद्ध पितापृतरमेहोवे" ऊ चनीचनावृजकोये" इकइकके सा घवगाड़े॰ नोकार हाकमको ऊठमारे

बौहत होवे विरथीमाह " सतरा नाकोई २
गाठमे छूडे़ को ऊनाह चौपई तरफ हंदकी
होयेआंहेरा बौहतदेमल टेक रघोरा
पूरवविचआफतपड़े माहहिंद का वंदीपड़े"
ऊगनदुखबुखार बौहत जुकाम "गड़कोड़ाव
र जापुरजान" गाह आरन के चलेनाकोई
जौनावे फिर सीस नाहोई दोहरा मानमा
न नहीकूठजेह करनाकोनरवारऔमेल
दो साल के जेहोवे चंद्रवार ® चौपई

वाजराजवालके कडके पुनके पानी तता
त तापलावेफेर पैजावेपारा निकलजा
वे चंगाहोवे अथ दारूघ्रु ड़के की
लोह चून सरसाही २० मरचा दषनी सर
मुरदार सरसाही २० हरतायता सरसाही २०
साही २० मघा सिरसाही २० जवायन सरसा
ही २० तायतंड़ा सरसाही २० तिरफला सि
रसाही ३० सहन सरसाही ६० पुरानागुड़ से
र २ पानी सेर ३२ घिदे भाडे विचपायके मूं
ह लिपके अंदर दवे महीना २ फेर कडे पा
नी सेर विच ३ का सरसाही पाके पीवे अंद
रके [illegible] Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ठंडेपानीनालखावेहटे होर हलद्दी
टंक२ सुहागाभुनके टंक२ लोटा सजी
टंक३ सहतनाल सहतमैपाके गोलीया
करे ७ इकरोजखावे आगे होरबिजावे
फुलटंक४ ईरनेगोहेकीराखटंक४
दोमासेपानीनालगोलीकरखावेहटे
आगे पाराहडामेहोवेतां कडनकीदारु
भंगवाहड़दीजड़दाजलपैसे४ भरमिरचा
कालीयामासे२ रगड़केपानीजितनापीवे
दिनसतरोटीनां [illegible]

ॐ स्वस्ति श्री गणेशाय नमः ॥

सरना सुची टका सर १ । वद्दा मशरी १ ।
दाव मन का १ । ला घचवी दान मारे
२६ । जुलक दट का सर १ । दाकु करे नज
लो टेगो लीयासत २ कारे दुद्ध ना लल
वदि नसत जेगरमी हे वतासर बतव
जुरी दिना पंजलवपानी विदपाक सद्ध सेर ॥
आगद [illegible] ना सराई मासे ४ तवासीर
मासे ४ मुरद्दा सिंगमासे ४ जौं खरमासे ४
निरमसी [illegible] या ४ [illegible] ॥

अंबरदीप नदेवरमापते॥ विषमता
है नानतीनादीगराणेपचे॥ नवीकथं
करणि नहीयापते॥ शिवहरे बिजीअंकु
र मेवं २० हनूमतः ह पिरीया तो मभी
पूर्णो॥ सरस्तुरजुत मेषरहो गुरो॥ शि
वहरे बिजीयाकुर मेवं २१ नरहरे न र
तरं जनन संुदरं॥ पर्बतीजे शिव रामभक्त
अस वं॥ वमीबीराम रुमाचितेराम बु
जे॥ शिवहरे बिजीअंकुर मेवं २२ परा
तेरतेसिमरीये संपरावार रजेवर जनतं
शिवराम पुरमतो ...

गरम

सरस कूंवलमरजाफलमगरफोनमिला

या॥ वायविंगअलायचगजकेसर

समभापजलसेगोलकीजीये

टंकइकपरवानचैसेगोली

दीजीयेसातदिवसजोदीजी

येहोयगरमतूजान

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

मंत्र जाड़ का जाड़ मे [illegible]
नाकीड़ा वाधे [illegible] वर
म की पीड़ा जाड़ [illegible]
ठको बांधे लंका [illegible] ड
व लंका जाय दूसैं जा
जाड़ ना होवे पीड़ा
हनुमान बंदि की दु
हाई जे इस मंजाड़ फेर
लगे कीड़ा मेरी भग
त गुरु की शक्ति फुरो

[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

मंत्र हनुमान अंजनी [illegible]

दारू चिड़ंगा सरीर मे होय ते ताकरे

घ मीया पतासे मे आव ले मे ले दी के

स्ह जे हसन दो सु मासे रगड़ पी वे

दारू जिसकी छाती पले दी होवे

मीरा मिरच पह सत ऊं ड़ मर सा है

पीस के मह रस माही २० घाँ के पुडी आ

गैया के ह



८	३	५	२
४	२	८	३
२	४	३	८

लगलेका म सो सो साहितुआ प करेगा ॥ पूजा अध
३ ठाई सेर घि ३ तिन पैसे तेरा कै डीआ पासिले
न गुरू वृदेणा ॥ १ ॥ पंच [illegible] ॥ ३ ॥ [illegible]
[illegible] पैसा भर [illegible]
प० रसोत २ पं० धनी आ संवका दरू ३ कर के मिटी
[illegible] जे मैं अधसेर पाणी पाइके मे ठठ डे केर मिच कारी के
[illegible] दिनर पैसा भर मे वे ३ सीन वर ने दो दिन फेर दो पै
सा भर पाइ दे ३ सी विच्छि इसीतेर करे ॥ [illegible]
ओं [illegible] ॥ सु [illegible] चा कहु [illegible] के दो गरी
[illegible] साप परलु कर के गे लो वं धे
[illegible]



सिंगारका सलधी मंजीठ

५० कपूर तुल सुरसासिंघ

बेउडौचिलतीकौर

लोसचूनरहुरसासुपेदरगक

वंधककीछसठतालरफटक

डीर

ॐ तवा सिर घो दर काउं के डे स्त्रो वाली का ॥१॥
ए वासेर चो नीका ॥ ह का पं ज प पसा भर
हिं ग र फे ह वा कि यी सिर सा यी आल
स वा सती सिर सा ह्ने म नी सिल । पं ज मा
ली तां ष की सिवा चा रा सिर सा तो पं म
भूल की जड ॥ इकताली दिन र बे फेर
औ च व पि हर छा ह की जे धु ड ता भे ज द
वं व क्री ग्रा या ॥१॥

ओडा॥ लोटा सजी तोला २ हिंगर फेला
अधु॥ महीने करि तांबा मैनगरे रूपइयेदो
ई आधा रूपा आधा तांबा गाले १ कठे करि
तोलो तोला॥ रूपा सेर १॥ तोला २ जस्त ऊपर
गेरे मदसता बीकूटे ॥२॥

सतोपन्नी बती बारा बरस कुकमा
इकमाई परमेसरी चउदारतम
हमजारा ॥१॥ कुसस्कवी निरमली तेरार
बकोरे खठे परमेसरी गण यदेवी दे स्कोल
कलासपु रसी तिसनयनी पुछे रे ॥ दस
घोरखडे पंचरखा करे नव नाथ बटर
रसनु पदरा तिथी कहु के कीजाणी ये दे
वो बोर शिसमजा ॥१॥

७	१४	२	[illegible]
३	११	८	[illegible]
१५	३	९	[illegible]
५	६	१५	[illegible]



३४ ३२२२ ८
६ ३२२८२१
३१ ३२२ ८ ८
४ ५२६ ३८

बो ३ को
नेजर न्त
मे गल वंद

सलवनिपटदालागालेएडिचोटीन
लकमिणकेवंधेमठराहदा

ਪੈਸਿ ਜਾਇਗਾ ਤਾਂ ਤੇਰਾ ਕਾਰਜੁ ਨ ਹੋਸੀ
ਘਰਿ ਆਸਾ ਵਾਨਿ ਬੈਠਾ ਗੁਰਦੇਵ ਜੀ
ਸਿਮਭੁਗਾ ਤਾਂ ਵੀ ਸਵੀ ਸੁ ਦੇਵਾ ਰਿਜਤ
ਰਾਤੋਇਗਾ ਸਜੀ ਪੰਜਾਬੇ ਸੈ ਗੁਰਜੀ
ਕੀ ਭੇਟ ਦੇਣੀ ॥੫॥ ਤਾਂ ਨੁ ਮਾ ਤੇ ਨਾ ਕਰ
ਸੁਚਿਤ ਮਾਨ ਜਾਇ ਆਹੋ ਜਿਵਰਵ
ਤੁਸਿਤ ਫਨਿ ਕਰਦਾ ਹੋਤਾ ਇ ਵਕਿ ਦ ਜ
ਤੇਰੂ ਆਪ ਲੀ ਖੁ ਪਛਰਿ ਗੁਰੂ ਜੀ ਕੀ
ਸਰਨਿ ਜਾਇ ਤਾ ਜਿਉ ਪਾਂਜਿਸਿਆ ਜਿਵ

ਪੜੀਆ ਤਾਂ ਤੇਰਾ ਕਾਰਜੁ ਹੋਇਗਾ ਨਹੀ ਤਾਂ ਨ
ਹੋਇਗਾ ॥ ੫ ॥ ਤਨਸਾ ॥ ਤੈ ਜੋ ਕੁ ਕਾਰਜੁ ਚਿ
ਤਵਿਆ ਹੈ ਸੋ ਤੂੰ ਧੂਪ ਪਾਸੇ ਤਨ ਹੋਇਗਾ ॥
ਤੂੰ ਆਪਣਸੀ ਹੈ ਜੋ ਤੂੰ ਕਿਸੈ ਦੇ ਘਰ ਨਉਕਿ
ਤੁ ਵਾਤ ਤਾਂ ਤੇਰਾ ਕਾਰਜੁ ਹੋਇਗਾ ਨਹੀ ਤਾਂ ਨ
ਹੋਇਗਾ ॥ ੬ ॥ ਤਨਤੁ ॥ ਸੂ ਜੋ ਕਿਸੈ ਦਾ ਅ
ਸਰਾ ਪਕੜਦਾ ਹੈ ਸੋ ਤੂੰ ਨਾ ਹੋਇ ਤੇਰਾ ਕਾ
ਰਜੁ ਆਪ ਕਰਤੇ ਕੀਤਾ ਹੈ ॥ ਜਿਸ ਤੇ ਤੂੰ
ਪੂਰੇ ਈਰ ਹੈ ਨਾ ਹੀ ਓਸ ਕਾ ਕਾਰਜੁ ਹ
ਇਆ ਹੈ ॥ ੭ ॥ ਤਸਤਾ ॥

इन सें षाइ तो बावलो गा जाइ ॥ लुहागे
सें॰ कीत जाइ ॥ २ ॥ तुलसी का पात सें॰ म
नै वाजाइ ॥ ३ ॥ खुरासानी मचे सें॰ घेल
रो जाइ ॥ ४ ॥ कुलीकेसव सें॰ जालंधर जा
इ ॥ ५ ॥ गो का चीव सें॰ सफोडनै इदं
ड रोग नै ॥ ७ ॥ रुलद सें॰ रक्तपती जा
इ ॥ ८ ॥ केपूर सें मुरख को बाह नै ॥ ९ ॥ चंप
फूल सें बगल गंध नै ॥ १० ॥ का पु त्ति कपूर
गनै ॥ ११ ॥ कीक से ली कार स सें नासदै नै ॥ १२

वुसतादुनै बलीफाबे॥ २॥ रंगकपूर
काकेलेदाडुंडोरका॥ १॥ इकुलयकेतिस
नोउकरकेविचमएकेवाचउकीपाकेक
पडोठीकरकेदससेरगोस्पामेफुक
दे॥ मे॥ २॥ अथवंगविधि॥ पीपलकीछाल
सेरपंजप॥ अंमलीकीछीलसेरप॥ दोनुंइ
केठेकरकेकूटऊखलीमेपाकेसेरकपीरसे
धीलोईकेपत्रेकरेनानेयाप्रमेछाणामेंनीचें
ऊपरजेगरामदीदेजेगडोबोदजेछाणामए
का॥ १॥ दीजेपहरचीररातबजेतवकोढीजे॥ अथवो

सं दे र सं क दा ऐ चार पय सा भ र ॥
सं मं जी ठ कौ ठ पय सा ग्रर ८ ॥ न सपा
ले ४ पय सा भ र ॥ अ ग रै त ल धी ४ पय
सा भर ॥ कपूर चीनी या मा से चार ४ ॥
[illegible] व य लू ते सि ठा मे मा से चार ॥
सू लु पै वे रू दे बु प पय से र ॥ सी त
वि च वि की अयु वि [illegible] पय ॥ बु प धै सि
च पे स पदरा पैविन दे ॥ १ ॥ साधू दी [illegible]

52

सुदरसकेदाऐचारपंयसभर॥

मंजीठचारपयसाभर॥मुसकक

फूरअठमासे॥केसरखसरुपैया

भरारसनिं[illegible]कादोअंगुलजाफा

टेअसवागऊचउरासलिदताजी

[illegible]भरणातिसकेअधबीचबारबां

नसनकेआटसाथकरकेबरततांको

हीतमोउ२दिन[illegible]धूपमो२४दि

न॥१॥ त्रिरियाकयसाविसकि[illegible]

फड़का रंगा होवे ऊसका दुध लैके [illegible]नी
लसी करनी कोरे भाडे विच पाके ऊ
सफेती कुटादेना गौयाको जेसदा
वाजे गौयाकडे ऊसदा वाजे हुठे ऊस
दिनतवाना चाड़े चकीना पेरे गोहाना
कथे सारे दुध का जग करदे मनो
ड़े औ जंत्र मषणादा

[illegible]	[illegible]	[illegible]
२	५।	[illegible]
७	१.	३२

८	७	२२
२२	९	५
६	२२	२

[illegible]
दे

जंत्र [illegible] गडे का औत
वार लिषके तांबे मे
मड़ाके सिर रषे

जंत्र ऊगड़ कान
वीतनाम
अमेदा लिष
कर

४	१०	२	८
	३		११
			७

नामर
दा
करे

४			
१०	२		९
		११	
३	६		
		७	

जंत्र इसतरी के मरे
करता का भोजपत्र कुंकु पेत
वार को लिषे
नाम लिष
नाती
मदा

	९			
२		७		
६		१०		४
३		८		
	३			

८	३	·	·
·	·	·	·
·	·	·	·
·	·	·	·

जंत्र डर का

जंत्र ऊगड़े का लिष के
पैर मे रषे

१३४	१४७	२	७
६	३	१३८	१३७
४०	१३५	८	१
४	५	१३६	१३

इसतरी गरभ धारे
घोल पीवे

६०	४६	२
३६	१४	११
१३		४१

आठराह वाले केग
लवंदे नाम लिषे

५ ५
सलमं
५ ५

सिर पीड़ का

७	८	१०
७	३	५
नजर का		

३	२	४	६
८	६	३	७

नजर का

६	११	२	७
६	३	१०	७
४	५	८	११

जंत्र तेइय का
गल वंधे

४	१	९	११
७	११	१३	२
४	६	१३	३
९	१३	१५	२

जंत्र नवं देवे तवर

लिषके गल वंदे ना लेपी
ने गरभ हो वे

जंत्र भिरगी का

१३	१७	२	७
६	३	१७	१५
१८	१३	८	१
४	५	१४	१८

जंत्र डरछाया का

२०	५	२	१
६	३	४	२३
६	२२	८	७
४	५	२२	२५

मड़ा के गल बंद्दे

६	१२	२	७
६	३	१०	९
१२	७	८	१[illegible]
४	५	८	११

नेनकी तरप कालि अके गलबंद्दे

जेह आषर लिषके
सिर बने आछ सिर
हटे
काली त्रीया काक
री माथे वैठी आय
हाकी होई हनम
न तकी आछी
मीसी जाय

मै सुरु होता है

आतवार गुररेका फल हिंदू मुसलमान नेरला
के जेह गइन यवना है जो चंद मुररा का होय ८
ऊसते आगले दिन गुररा होता है इसकी वि
चार माल की है आतवार गुरर जेहा चौपई
घरो मे घजार समतेघान ॥ मेवात रवरको
वौहतामान ॥ पातसाहा का कामभला ॥
लोक सुषी वौहहोमे लाल ॥ दोपाये चुपाये
मनरा नाह दूध दही वौहहोवे जगमाह ॥
घन धान की चले वात तिरीया के कुचमे
वौह दुषपाय गेह होवे लाहा ही घनी ॥

अरवूजामीठावौहभली फलहोमेसभसी
रदार ॥ आगनजोर वौहते तिलकार ॥
चौपद कीपूरे मुराद चंदगहन होवे परमा
द ॥ सीत पढेलाहोवेसही थोड़ी होयकपा
समही चंद्रवार गुररेकाफलचौपदीआ
नभायमसलावौहहोय ॥ पपसमादाकाकंम
वगोय ॥ नेयामत जगमे वौहती वाय
लोक भलेजगघरदेजाह ॥ देसपछमके
होयविपाध ॥ नगर गामतेआपतरपास
राह ॥ भलेसुदागर नफा घनी पायजेतर
वर नफा ॥ दूध कपासतिल जगघने

वालक जमनआधे घने ॥ रोगघनानर
नारीजान ॥ अजाभेडवौह होवेजगमाह ॥
वौह तर वरकोफल लागेजो पंछीचौपद
सभसुषसोय ॥ जैसीऊपजेतेसावरछ ॥
जोगुररावंदर वारहोय मंगलवार गुररजे
होय ॥ जगमेहोवेवौहताकाल मेहसमेपुर वर
सेनहीलाल ॥ नाषेती रजतवरान ॥ नफास
दागर वौहतामान जैहमतमेमरेअवीर
राहचलेसीवपवपीन थोड़ाफुलतर वर
सोजार तूटेतर वर पवनभार ॥

॥ गुड़ मकर अपार बंड ॥ वडे लोक चाकर दे
दड़ ॥ तिल गेहूं मैंगे होय लोय ॥ बाप पुत्र
मैं दगा जो होय ॥ वर कातकि सी बकतना
होय ॥ अगन जोर घोरो जग होय घोरा हो
वे नर पुर षारत ॥ रव को गहन घराबल
टिड्डी मूसा अतही घना करत अनीतिजम
गत मे मान ॥ छल भावे सो देखे जोय ॥
मंगलवार गुररा जे होय बुधवार गुररा
होय गुड़ मैंगा अरजान कुपा ॥ हिंदम्हमका ×म
॥ होसीनास ऊजड़ जामे नर परदेस ॥

नहदर वाले होय कलेस ॥ मानव पं ॥
बी होवे सभ रोग ॥ पातसाह का काम
ना होग जेकर होवे पातसाही कामता
पुर लागे बौहते दाम ॥ मेघ ना बरसे आप
ने समे ॥ सुदगर को लाहा कमे ॥ जंगवि
च मरणा आवराय ॥ दौलत वंद बौह
दुख पाय ॥ चंद गहन अर टिड्डी घनी
हिंदम्हम मैं दै सतपड़ी ॥ चौपाय कम
अर महंगे धान ॥ मेवा दाख छुहारे हो
ने अगन जोर जग मे करंत ॥

षर वरीहोयहिंद सभडरे बुद्धवार गु
र राजे पड़े गुरवार गुरराजेहोग आछे
मेघ जपदर नाह रजापरजा सुषघ
रमाह॥ दाद परायावृ से लोका पस
पन छी सभहीसुषलोका॥ षेतीहोवे
अपर ऊपाराई अरिके कुटमेदुषकारा
वालकारोग॥ अगनकजोर का हदेस
मे होयनासोग॥ सीत पढेला परसी
सही मेघ लषी षतै सेका कही॥
गुर वार गुरराजेहोय ताकेल दोन
सै सैहोय॥

सुकरवार
मंगवार गुरराजे पायताके फलकोदे
षत नाह॥ नर नारी वरोध्ध कराय॥ वृ
नजंगवो हतदेसआय॥ मेघ पढे तामे
वामीठा॥ अगनघनजिंग करडीठा॥
पवनघनीअर मघम राज निरप
काहोसी मघम काज॥ महगीवसत
सभीजगहोय॥ नरचौपदको सभारस
होय॥ नर मघम अरषेतीघनी न
फामघम सुदागर कमी सस्तीगे
हे जेहकरजान औरऊपन॥ कीकमती

मान॥भिरगवारगुरराज्ञेपाये ताके ल
हेनकहे वना शानवार गुरुरेकामान
सरजीकरहोयवरान॥ वैद्यमागरआ
रजगकराये॥रजनहोवेबोतवरान
पातसाहमनसोगजोमान वारशिन
प्रवर गुररापायवुद्ध सालमेसभकी
घटजाय सानवार पुरराभए दारुपेटकेसरवदि
कारजामे इटसिटकीजड़ग्ररहरड़
गौलोम्रारहलघदाल समकाड़

होयगौमुत्रयगलसमभाय द्वि
रोगऊघरकेजाह अथयदाह गोलाक
वजपेटकी हरड़कीछिलसिरसाही 2
सुचीसिरनासिरसाही 2 मसरीसिर
साही 2 मनकासिरसाही 2 कूटकापड़
छानमनकाविनाफेरभिंनकारला
के घेलाभरकीगोलीकरउखेरातन्
ततेपानीनालयावेहहटे

रास दोर चूचेचोलालिलै लौआ

2 मेष ई ऊ एउ वाविवुवेवोर वृष

काकि क घ ङ छ केकोहा 3 मिथुन

हिहूहेहोडाडिढडुडेडो 4 करकम

मामूमेमोटाटिटुटे 5 सिंह टोपपिपू

षणाठपेपो 6 कन्या रारि रोरे ता

तितुते 7 तुल तोननानूनेनोया

यियायु 8 वृचक येयोभभिभुभे

धाढाभे 9 धन भजजिखखिखू

खोगगो 10 मकर गूगेगोम

सिसुसेसोदा 11 कुंभ दिदूथ

झ ञ देदोचाचि मीन 12 राशावार

अथ दारूचूरण हाजमेका लूणसो

दासंचर वायविडंग 1 कुठ 1 नरफला

तिबीसरना अनारदाना लौंगचितजुवा

यन जीरे दोनो पुदना हिंग लाचीदाना

दालचीनी सौफ सबुन बराबर कर

चूरण कर तते पानी नाल मासे तिन

फके

अगेमंत्र

ॐमंत्रसत्रूतपाऊनका ॐरक्ततषंडकी
घनहली श्रीषंडकेबानमारमार कं
मलि भेर बमेरे सतेषारा वेगनामा
रे त ऊ.गुरूगोरषकीआग्या ॐ मंत्रकी
विध मासवालेदिनआधीरात बैठजा
पकरेदिनसत७ हजार इक१ गुगलधू
पकरे सत्रूकोताप चडे॥ जबजपकरे ई
१ कईकबार मंत्र जपे तिसकोतपाव
नाहोवे ऊसका मंत्र मंत्रपिछे ऊसका
पित्रपित्रनामलवे दुध चावल षावे



मंत्रपेटपीड़काबीलेका ॐबीलाबडाम्मीला
बडा च्चार बुलहेकलीमेरा नडआपेरना
आवे धोनीकीकुंडमेपड़े बूड़ेकीषंदकमे
पड़े गुरकी सगतहुमारीभगतफुरोमंत्र
ई मेरो [redacted] माहादेव तेरा वाचा इस
मंत्रहजार वार जपकरे तासिद्ध होवे
ॐ श्रीगणेशायनमः ॐदोहरा जिसदिन
बसाषीआवे सारेसालकी बात बतावे
रैयत राजेकेपासआई दुषकी विर
षा कहसुनाई ॐदोहरा पांचसालबी
ततभये बरषाहोई नामूल परजा

मूई तरास सै नयाजान कासूल चौपई

सुनराजा मन चिंता भई कौन पाप पिरथी

मरगई॥ तब बुजर्ग मुहर र बुलाये

काल होन का ग्र र ष पुछ्या ये दोहरा

तबन जूमी जोतसी पंडत लेये बुलाव

और सागन भिये अकतर आये चौपई

राजा पूछै र बन बिछ पिरथवी कोस

बहोये॥ कवन छ मे पिरथवी छूटै वि

ताबो मुजको सोये॥ सभ ने मिलके

जेह कही सुन घर मरू पऊतार जो

परजा दुख पावसी सो राजा सिर भार॥

चौपई राजे ने तब जग कराया दर व भंडा

रा बौहत लुटाया इंदर जग मे दान दी

ये बहु अपर अपार। घर घर होते मंग

ल चारा इंदर जग सै कीया नुहारा तब ब

र षा भेई मूसलधारा दोहरा कुसल

भेई सभ जगत मै होते जैजैकार आनंद

भेई सभ जगत मै सुखी होये मनसार

सा है कहे॥ जन सभन को बोजो बूय॥

नज़्म सभ हकीक़त सालकी पहला
होये मलूम ॥ है कुसालके बीचमैपोथी
भई तियार ॥ हो केई कहे आनंद जी लैआ
ये दरबार ॥ सात वार का कीया विचार
भले बुरे का कीया सुमार दोहरा बैसा
षी जिस दिन आवे ॥ सोई सालकी वात वित
वे ◎ ⁘ शन वार बैसाषी आवे ॥ ताल
साह जैलपुर छावे ॥ रैयत हाकमसेती
लड़े ॥ सरव आफत छर तीपुर पड़े
वौहत चुपाये जग मर जाहे ॥ पूरंव मे

हगा आन व काये ॥ फल विरछा कोथो २०
ड़ा होवे ॥ रुत अपनी सैमे घना होवे ॥
जहमत होवे जगत मे ॥ होवे वौहत विकार ॥
भीतर भीतर सै करे वषेड़ा मायपर वतपु
र होवे थोड़ा ॥ सरव देसमेपवे वषेड़ा ॥
अगन अघेरी वौहत होये राह वटाऊ चले
नाकोये ॥ वंदी वीच लोक वौहआमे अ
र व विघ जो लोक वसामे हजीहजना
कर सके तीर पजाये नाकोजे हल दून
हन साल के जे वार शनश्चर हो ॥

चौपई रव वार वैसाषी आवे तिस के
ल दोन कह सुनावे ॥ षुसी होई मनमा
ह के परजा मे सुष होय ॥ राजा सै राजा
मिले परजा होय आंनद चौपई मीतर मी
तर सै हेत वधावे ॥ वर षास मे सार होये
आवे ॥ जग मे दु षृ ना को रहावे ॥ ससा
होय आंन का भाऊ ॥ सभ के मन मे अवजे
चाऊ ॥ सुष बसे सगले सन भार ॥ मीत
र मीतर सै करे पियार ॥ वृछा सेती बोह
फल होवे परजा सारी पेट भर सोवे ॥ दोहा

धन पके बोहत सारी ईही होग जग मै हो
ये ॥ इक भारी षिर वालका होर दुष नही हो
ये ॥ सभ कुछ विच रसपाल के मैह गे मूल वि
काये जहमत बोहत आंनद जी घटो लो
क मर जाह ॥ पूरव मै आप पड़े ॥ दंम हो
ये षंड षंड ॥ केते मरे कतल सै केते देव दं
ड ॥ जो मघर की बीसमी मे बल गाय तजान
मैसा हो ॥ सभु चाल जगत मे कांपे मेर महान
केते गिर मंदर डिगे केते डिगे पाहाड़ ॥ कातक
के मास मे लड़ कुडो के सिर भार ॥ साचीक
॥ दी आनंद जी गउ ठ नाजा नो को ये ॥ २०

इहल दोनहनसालकेजेरवकेदिनहोये

चौपई चंदरवार वैसाषआवे। तिसकेलछो नकहसुनावे॥ बरषाहोववेबौहतसससतेअंन कोजान॥ ऊपरतारेकंमेरके तालेसुलतान तवरेयतसभबंगालाहोये॥ मानेहुकमला कसनाकोये॥ आपात पड़ेपर वतामाही॥ जघविचबौहतेमरजाही॥ अतरदेसषु लबलीपड़े राजदुषमैबौहतेमरे॥ दुधबौ हतवपायाहोवे॥ षतरामरगचंऊंसहो वे दोहरा तिलकपासअरअनमेवाअवर

किाा। व ग्ा ा रववारसततार
का तागा ह्त येनाल पदि नेम हेरा
४८ दपावे गुदारा हिकढासि रेग ठदेवे
ए कुलली पज्ञाकु ३ सकीलकुडी
के हकु ३ तपासे । हकु ३ तपासे ।। हकुह
त तार का गु दाहह कपावे गुहे
हा कडे ग ठदे वेसतवार के हेघूप
।म, हहाहजे पावि से । लगाव एदा हूका
धर [illegible]

पुडीवां धीड़े सूतल पेटि पीछे हुके की चि
लम मै माली के। वडबेर का त्रा गचाल
के हुका पावै उतल्यास छु होइ॥१॥

ਸ੍ਰੀ ਜੋਗਮਾ ਦਾਂ ੧

ਸ੍ਰੀ	ਸ੍ਰੀ	ਸ੍ਰੀ	ਸ੍ਰੀ	੭	੧੨	੧	੧੪
ਸ੍ਰੀ	ਸ੍ਰੀ	ਸ੍ਰੀ	ਸ੍ਰੀ	੨	੧੩	੮	੧੧
ਸ੍ਰੀ	ਸ੍ਰੀ	ਸ੍ਰੀ	ਸ੍ਰੀ	੧੬	੩	੧੦	੫
ਸ੍ਰੀ	ਸ੍ਰੀ	ਸ੍ਰੀ	ਸ੍ਰੀ	੯	੬	੧੫	੪

मेरं गी घोडा मेर
गी पलारा॥
तरन तपुर व ठैसिले
मानतकं पके वरराइ
नजाइ कनानीदेवदुन
चेट पटीलजाइ

अथ जंत्र दृष्टी को गर्भ का ॥ सु उ जे प के सु उ घे रक बीच १५
निषे के स रक सतूरी नौंलनिख के का म रनाल बाधे वार वार
पुत्र होय ॥ ॥

७	७	६	=	८	०	४८
७	/	७	७	है	[illegible]	६

जंत्र गरदृष्टी का

८	११	१४	२
१३	२	७	१२
३	१६	९	६
१०	५	४	१५

न मो आदेश गुरु को ॥ ॐ अलख
लो प रुमान पिता न मे [illegible]
फ लानी को रा [illegible] प [illegible] रानी वि
र म यत मा ण डी को [illegible] सा डी खो ले गुरु की शक्ति
वाचा मेरी भक्ति फुरे हो [illegible] ई स्वरो वाचा ॥

सुरत

१४ वसतंत्र
१५ देवीका मंत्र
१५ देवीका मंत्र
१५ जंत्र सर्व का
१५ बारप्रकार जंत्र
१६ बारप्रकार जंत्र
१७ मंत्र देवीका
१७ मंत्र भूतका
१७ दुषदेणेका
१८ मोहनीमंत्र

१८ फोडेकीदारु
१८ धरणकातंत्र
१८ दारुतापदा
१८ जंत्रविसका
१९ जंत्रबाजका
१९ जंत्रनारवेदा
१९ जंत्रमृगीका
१९ नारवेदीदारु
१९ दारुषासीदी
१९ जंत्रडाकणका
२० जंत्रजेन
२० जंत्रपरी

२० नजरजंत्र
२० चोरजंत्र
२१ आगजलेदीदा
२१ तापदा जंत्र
२१ नजरका जंत्र
२२ दारू गंडे की
२२ दारू दीद की
२२ दारू दीद की
२१ कुष्ट का दारू
२२ जंत्र सर्प की
जैकी ॥१॥

२२ मृगी की दारू
२३ गोली सूल की ॥
२३ पडमौला के ना
२३ अन्न दी दारू
२३ आधासीसी की
२३ कुते की पाउ की दारू
२४ फोडे की
२४ मंत्र जाड का
२४ स्त्री दुधपती मंत्र
२५ कंगी का

राम

व्रम्नजमरुद्दे उ दे नो के वाललो
डेत्रस्रुबिलाव उल्लू केलीहमेस म
कीत्रेक्खोटेपं चं उल्लु के ज्ञानेउपुरुवि
।लावकीबी ठ मं गावेज्ञालसेंपीसूक
रीजेनीवर ध्यलिरू गपीकेजोईपी
वतबवरा होई तेइ ग्राचेतदिवानाड़ैसा
सोनहमैदरखोविचंगाकरेओ तेविधसोंको
डीसोगुडुचोलपिलावेकिरिकरिस्तुति
। कमो रे ।।।।।

पत्र २७

१९ १०

ॐ ह्रीं ह्रीं जिं
[illegible]

ॐ	ह्रां	ह्रीं	ध्रां	प्रीं
२	५	४	५	[illegible]
६	३	३१	२५	५
३	[illegible]	१२	१	१०

२३ दा रू... कोसर्व
२३ दा रू केले ड्रे की
तिलीफिलीका
२३ दा रू निकावीकी
२ विवाह ... समात्रा
१ दा रू ... निद्र की
१ दा रू स्थ भन की
१ दा रू इस्त्रीवे ...
...
... रू ... की
२ ... सा...
२ दा रू ... सार व
२ दा रू पट्ट वाला की
२ दा रू ... मे रू व तके
२ केसदधन काउ पाउ
२ दा रू ... की
२ ...
२ ... नग्रंधे फालेव
३ दा रू ग्राम वातव
३ ... कामेस
३ ...

गासकोचर४

४ कचसंकोचन

४ चेकलकदान

४ पकधरकोकवडी

दीश्रेफारेकी॥१॥

४ दोनतापकी

५ दान्नारवेकी

५ डेत्रचार का॥

५ दानडेतेदी॥

तातेतीडेउ॥

६ मानतामन्

६ विद्वेषणातज

६ मा डा॥॥॥

६ मा जंत्रा॥॥